समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 9

सुमन एक उपवन के

भाग – 2
अभ्यास-प्रश्न

मिताली कुमारी



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



पाठ से —

1. संक्षेप में उत्तर दो —

(क) कविता में 'सुमन' और 'उपवन' किन्हें कहा गया है ?

उत्तर : कविता में सुमन को मनुष्य और उपवन को संसार कहा गया है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



(ख) फूलों की कलियाँ किससे खिलती हैं ?

उत्तर : फूलों की कलियाँ सूरज की किरणों से खिलती है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



(ग) भ्रमरों के गुंजन कैसे लगते हैं ?

उत्तर : भ्रमरो के गुंजन मीठे लगते हैं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



(घ) कवि के अनुसार हमारा माली कौन है ?

उत्तर : कवि के अनुसार हमारा माली भगवान है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



(ङ) चाँदनी किसको नहलाती है ?

उत्तर : चाँदनी हम सब मनुष्य को नहलाती है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



2. उत्तर लिखो —

(क) कवि ने उपवन के फूलों को किन कारणों से समान कहा है ?

उत्तर : कवि ने उपवन के फूलों को अनेक कारणों से सामान कहा है जैसे- एक बगीचे में विभिन्न प्रकार के फूलों और भिन्न भिन्न प्रकार के रंग बिरंगे फूल होने के बावजूद भी वे एक साथ मिलकर सभी के लिए सुगंध बिखेरती है। फूल कभी धनी निर्धन के साथ कोई भेदभाव नहीं करता। बगीचे के फूल अनेक रूप होकर भी एक दूसरे का सम्मान कर बड़े प्यार से रहते हैं। अतः फूलों की एकता ही उपवन की शक्ति है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



(ख) कई रंगों के फूल उपवन की शोभा बढ़ाते हैं। उसी प्रकार भिन्न जाति-उपजातियों के लोग देश की शोभा कैसे बढ़ाते हैं ?

उत्तर : कई रंगों के फूल उपवन की शोभा बढ़ाते हैं। ठीक उसी प्रकार भिन्न जाति उप जातियों के लोग देश की शोभा बढ़ाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि भले ही उनकी भाषाएँ अलग हो, उनकी संस्कृति अलग हो, या उनकी पोशाकों में अंतर हो या फिर धर्म ही क्यों न अलग हो वह सब एक दूसरे का साथ निभाते हैं। एक दूसरे का सम्मान कर बड़े प्यार से देश देशहित के लिए अपना योगदान देकर देश की शोभा बढ़ाते हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



(ग) प्रस्तुत कविता से हमें क्या सीख मिलती है ?

उत्तर : इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि चाहे हमारे रंग रूप या भाषाएँ अनेक हो हमें एक साथ मिलकर रहना है। धनी दुखियों का फर्क न कर एक दूसरे का साथ देकर देश को प्रगति की राह पर आगे बढ़ाना है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



3. "संसार एक उपवन है और हम उसके फूल हैं।" इस संदर्भ में अपनी राय प्रस्तुत करो।

उत्तर : इस वाक्य में संसार को उपवन के साथ तुलना किया गया है और मनुष्य को फूल के साथ। जिस प्रकार उपवन में तरह-तरह के फूल और भिन्न-भिन्न प्रकार के रंग बिरंगे फूल पाए जाते हैं ठीक उसी प्रकार संसार में भी अनेक प्रकार के जाति उप-जातियों के लोग तथा भिन्न-भिन्न प्रकार के भाषा वासी रहते हैं। जिस प्रकार बगीचे की शोभा फूलों द्वारा होती है और उनकी देखभाल माली करता है। उसी प्रकार संसार की शोभा लोगों द्वारा होती हैं और भगवान उसकी देखभाल करता है।